

भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2028
जिसका उत्तर मंगलवार 14 मार्च, 2017 को दिया जाना है

उत्कृष्टता केन्द्र

2028. श्री केसिनेनी श्रीनिवास:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार ने देश में उन्नत विनिर्माण संबंधी उत्कृष्टता केन्द्रों की स्थापना की है या स्थापना करने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
- (ख) इन उत्कृष्टता केन्द्रों की स्थापना हेतु क्या मानदंड अपनाए गए हैं;
- (ग) क्या सरकार द्वारा इस संबंध में रूप रेखा तैयार कर ली गई है;
- (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त केन्द्रों की कब तक स्थापना किए जाने की संभावना है; और
- (ङ) यह योजना देश में निजी उद्योगों सहित उद्योगों को किस प्रकार और किस सीमा तक लाभ पहुंचाएगी?

उत्तर

**भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)**

(क): भारी उद्योग विभाग ने भारतीय केपिटल गुड्स उद्योग में प्रतिस्पर्धात्मकता वृद्धि की स्कीम के अंतर्गत वस्त्र मशीनरी, मशीन टूल्स, वेल्डिंग प्रौद्योगिकी और स्मार्ट पम्प्स के क्षेत्रों में चार उत्कृष्टता केन्द्रों का अनुमोदन पहले ही कर दिया है।

वर्तमान में केन्द्रीय विनिर्माण प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलौर, कर्नाटक हाई-टेक शटलरहित करघों को विकसित कर रहा है; भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, तमिलनाडु 11 मशीन टूल्स प्रौद्योगिकियों को विकसित कर रहा है; पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयम्बटूर, तमिलनाडु 3 वेल्डिंग प्रौद्योगिकियों को विकसित कर रहा है और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक परीक्षण तथा अनुसंधान केन्द्र (सि'टार्क), कोयम्बटूर, तमिलनाडु स्मार्ट सबमर्सिबल पम्पों को विकसित कर रहा है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय विज्ञान संस्थान और केन्द्रीय विनिर्माण प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलौर, उद्योग के साथ सहयोग में उन्नत विनिर्माणकारी प्रौद्योगिकियों को भी विकसित करने में कार्यरत है।

(ख) से (ङ): भारतीय केपिटल गुड्स सेक्टर में प्रतिस्पर्धात्मकता वृद्धि की स्कीम संबंधी अधिसूचना में उत्कृष्टता केन्द्रों की स्थापना के लिए संस्थानों की पहचान कर ली गई थी। इस अधिसूचना की प्रति भारी उद्योग विभाग की वेबसाइट dhi.nic.in पर उपलब्ध है।

उत्कृष्टता केन्द्रों से घरेलू केपिटल गुड्स उद्योग की प्रौद्योगिकी की गहनता में वृद्धि करने में मदद मिलेगी और वे विनिर्माण के नवीन अधिक परिशुद्ध और अधिक कुशल तरीकों को सहजता से अपना सकेंगे।
